....सोलाह शिक्षायें....

सोला शिक्षायें सुनो , सुखदावक हैं जो
कह□टॐ सकट कट□, द□ परम गती सोय□.

1. आधी फल विचार क□ तुम , कर पीछ□ सब काम जी,
यह वचन मन में दर , पाय□सुख आराम जी....

2. उधम कर शुभ कर्म करना , सीख यही सर ह□,
भाग पर कुछ नाही रखो , व□ ग्रन्थ पुकार ह□

3. समय का अती कदर करना ,कोही ना कुसन्ग में,
जो बच□व्यहार स□सफल कर सत्स□ा में...
4. सर्वा स□तुम गुना उटाओ , दोष दर्षटी को हर□,
दख अवगुण अपना जो , बहुत ह□मन में भर□..

5. सर्व जीवों स□करो हित , निन्दा किसकी ना करो,
ना बुरा चाहो किसीका , भाव शुध ह्रदय धरो...

6. जीव किसीका ना दुखाओ, दया सब पर कीजिय□,
राम व्यापक जान सब में , दव□ को हर लिजिय...

7. समय जो गुजर जाव□, याद ना तुम तिह□करो,
आन□वाल□वकत की भी , चिन्ता मन में नाही कर...

8. जो बनाव□ईश्वर तुम , झूठ ना कब बोलना ,
जा बनी सा ह□बली , सब यों सदा मुख स□कहो....

9. अपन□स्वारथ क□ लिए तुम, झूठ ना कब बोलना ,
वचन सचा मधर हो जब , तबही मुख को खोलना...

10. शरण त□ी आव□जो , ताहि□द□समान जी ,
याद वरी होय तो भी , ना करो अपमान जी..

11. और का उपकार कर तुम , छोर स्वारथ अपना ,
लोक पुनी परलोक में कब , होय तुमको तपना..

12. धर्म अपने में हरदम , प्यार कर नातना नाही□,
सीस जावे जान दे , पर धर्म से हटना नाहि□..

13. मोत अपना याद करले , तिही□बुलो ना कभी ,
जान मन में मरन का दिन , निकट आया अभी..

14. धर्म शाला जान जग को , जीव सब महमान हें ,
मोह किसी का ना करो , सब स्पन सम समान हें....

15. वेद गुरु के वचन पर , नित तुम करो विश्वास जी ,
अटल शरदा दर मन में , भ्रम कर सब नास जी....

16. आधी मन्त्र ले गुरु से , जाप जप दर ध्यान को ,
जगत बन्दन तोर विचारो , पाये आतम ज्यान को ...

यह शिक्षा याद कर , मन में पुनी विचार ,
कहे टेऊँ करनी करे , भव निधी उतरो पार...